हिन्दी पाक्षिक

# सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-11 अंक-16 हरिद्वार, सोमवार, 01 जुलाई, 2024 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

## उत्तराखंड में जल्द बनेगा मेडिकल बोर्ड : स्वास्थ्य मंत्री

**नैनीताल, ( संवाददाता )।** प्रदेश के उच्च शिक्षा व स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत अपने दो दिवसीय दौरे के तहत नैनीताल में रहे। इस दौरान धन सिंह रावत ने नैनीताल में जिले भर के विभागीय अधिकारियों के साथ सरकारी योजनाओं व विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान धन सिंह रावत ने कहा स्थानांतरण के लिए मेडिकल लगाने वाले शिक्षकों का परीक्षण राज्यस्तरीय चिकित्सा बोर्ड से होगा। दूसरी ओर, प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर सात हजार शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया आरंभ हो गई है. मंत्री ने कहा इस साल 500 चिकित्सकों की नियुक्ति की जाएगी। सरकारी अस्पतालों में अब भर्ती होने या रेफर वाले अस्पताल में एक ही पर्ची काम आएगी। देर रात तक नैनीताल क्लब में आयोजित मैराथन बैठक में कैबिनेट मंत्री घन सिंह रावत ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और सहकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। धन सिंह रावत ने कहा अस्पतालों को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया जाएगा। इससे वह डिजिटल माध्यम से किसी भी दिन अस्पताल की व्यवस्थाओं

समेत अन्य गतिविधियों का निरीक्षण कर सकते हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिले को 54 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने सीएमओ को अस्पतालों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने, हर दिन बेड सीट बदलने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा हर अस्पताल के बाहर बड़े-बड़े होर्डिंग में अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं की पूरी जानकारी अंकित हो, जिससे मरीजों को सुविधाओ की जानकारी मिलेगी। बैठक में विधायक सरिता आर्य ने बेतालघाट में शिक्षकों की कमी दूर करने का अनुरोध किया। साथ ही बेतालघाट क्षेत्र में आग की चपेट में आए विद्यालय के बारे में जानकरी दी।

## चारधाम में उमड़ रहा आस्था का सैलाब, 50 दिन में पहुँचे लगभग 30 लाख यात्री

**देहरादून ( संवाददाता )।** उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा को लेकर इस बार श्रद्धालुओं में अपार उत्साह नजर आ रहा है। इस वर्ष चारधाम यात्रा प्रारंभ हुए लगभग 50 दिन ही हुए हैं और इन 50 दिनों में ही अब तक लगभग 30 लाख श्रद्धालु चारधामों के दर्शन कर चुके हैं। जबकि वर्ष 2023 में 30 जून तक यानि 68 दिनों में लगभग 30 लाख श्रद्धालु दर्शनों के लिए आये थे। सुगम, सुरक्षित व निर्बाध चारधाम यात्रा के संचालन को लेकर उत्तराखंड सरकार निरंतर प्रयासरत रही है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने इस वर्ष जनवरी माह से ही चारधाम यात्रा के सुचारू संचालन हेतु बैठकों के साथ ही स्थलीय निरीक्षण आदि का दौर शुरू कर दिया था। उनके द्वारा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि यात्रा को बेहद गंभीरता से लिया जाए। 10 मई को जब इस बार चारधामों के कपाट खुलने का सिलसिला प्रारंभ हुआ तो पहले दिन से भारी संख्या में देश-दुनिया से यात्री दर्शनों के लिए पहुँचे। यात्रा की शुरुआत में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से उत्पन्न चुनौतियों को देखते हुए मुख्यमंत्री ने ठीक लोकसभा चुनाव के बीच व्यवस्थाओं की कमान अपने हाथ ली तो महज हफ्ते भर में व्यवस्थाएं सुचारू हो गईं। मुख्यमंत्री ने अफसरों को स्पष्ट सन्देश दिया कि यात्रियों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। नतीजा, चारों धामों में यात्रा सुचारू रूप से चलने लगी तो देश दुनिया से हर दिन बड़ी संख्या में यात्री दर्शनों के लिए पहुँच रहे हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो मालूम होता है कि इस वर्ष 10 मई को कपाट खुलने से लेकर 30 जून तक लगभग 30 लाख श्रद्धालु चार धामों में आ चुके हैं जबकि गत वर्ष 22 अप्रैल को कपाट खुले थे। यानी लगभग 18 दिन पहले। बावजूद 30 जून तक लगभग 30 लाख यात्री पहुँचे थे।

## सनातन धर्म को बदनाम करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करे सरकार-महंत साधनानंद

हरिद्वार, संवाददाता। बापू मुक्तानंद धाम के परमाध्यक्ष महंत साधनानंद महाराज ने केंद्र और राज्य सरकारों से सनातन धर्म को बदनाम करने वालों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग की है। महंत साधनानंद महाराज ने कहा कि कुछ लोग सनातन धर्म को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। सनातन धर्म के देवी देवताओं के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी की जा रही है।

केंद्र और राज्य सरकारों को इसका संज्ञान लेते हुए ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और सनातन धर्म पर आघात करने वालों के खिलाफकेंद्र सरकार को कड़ा कानून बनाना चाहिए। जिसमें सख्त सजा का प्रावधान हो। महंत साधनानंद महाराज ने कहा कि यूपी के एक कथावाचक ने कथा के दौरान हिंदू धर्म के आराध्य भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अनर्गल टिप्पणी कर सनातन धर्म का अपमान किया है। जिससे करोड़ों सनातनियों की भावनाएं आहत हुई हैं। जिसे संत समाज कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि कथावाचक को हिंदू समाज से माफी मांगनी चाहिए। यदि कथावाचक माफी नहीं मांगते हैं तो केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को उनके खिलाफमुकद्मा दर्ज कर जेल भेजना चाहिए।

## नाले की शीघ्र सफाई कराये एनएचएआई-अनिरुद्ध भाटी

हरिद्वार, संवाददाता। दूधाधारी चौक से पावनधाम तिराहे तक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित नाले की सफाई व मरम्मत को लेकर क्षेत्र के निवृत पार्षद अनिरुद्ध भाटी ने एनएचएआई के परियोजना निदेशक को पत्र भेजकर शीघ्र कार्यवाही की मांग की है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों व भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ दूधाधारी चौक से पावनधाम तिराहे तक राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित नाले का निरीक्षण करते हुये भाजपा नेता अनिरुद्ध भाटी ने कहा कि मानसून सिर पर है। एनएचएआई ने अभी तक क्षेत्र के नाले की सफाई की सुध नहीं ली है। दूधाधारी चौक से लेकर पुराना आर.टी.ओ. व पावन धाम तिराहे तक नाला कूड़े व मलबे से भरा पड़ा है। अनेक स्थानों पर नाला बुरी तरह क्षतिग्रस्त है। नाले के किनारे टूटी हुई रेलिंग व बेढब रूप से अनेक स्थानों पर निकले सरिये दुर्घटना को न्यौता दे रहे हैं। अनिरुद्ध भाटी ने कहा कि यह क्षेत्र वर्षा काल में डूब क्षेत्र बन जाता है। ऐसे में यदि नाले की शीघ्र सफाई व मरम्मत नहीं हुई तो सप्तसरोवर मार्ग, मुखिया गली, आदर्श नगर, पावनधाम मार्ग जैसे क्षेत्रों में जलभराव भारी नुकसान पहुंचायेगा। भाजयुमो नेता विदित शर्मा ने कहा कि एनएचएआई ने दूधाधारी चौक तक नालों की सफाई कराई है। उससे आगे नाले अवरुद्ध पड़े हैं। जिससे जल निकासी बाधित होगी।

उन्होंने कहा कि यदि नाले की सफाई नहीं कि गई तो लगभग 10 हजार की आबादी को बरसात में जलभराव की समस्या झेलनी पड़ेगी। एनएचएआई के परियोजना निदेशक प्रदीप गोसांई ने कहा कि वह अतिशीघ्र स्थलीय निरीक्षण करवाकर नाले की सफाई व मरम्मत का कार्य प्रारंभ करवायेंगे। इस अवसर पर भाजपा ओबीसी मोर्चे के मण्डल अध्यक्ष मुकेश पुरी, राजेश पुरी, भाजपा वार्ड अध्यक्ष नीरज शर्मा, आदित्य यादव, राघव ठाकुर, सतनाम सिंह, राकेश सिंह, शशिकांत, अरविंद पाल, व्यापारी नेता संजय पाल, विजय पाल, गोपी सैनी, दिनेश शर्मा, रुपेश शर्मा, सतीश पाल, किशन पाल समेत अनेक क्षेत्रवासियों ने जनहित में शीघ्र नाला सफाई की मांग की।

## गढ़वाली कुमाऊनी को जनजाति दर्जे के लिए रीजनल पार्टी का प्रदर्शन

**देहरादून ( संवाददाता )।** गढवाली और कुमाऊनी समुदाय को जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी ने देहरादून में आज एक बड़ा प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान आंदोलनकारियों से वार्ता करने के लिए धरना स्थल पर आए मजिस्ट्रेट के हाथों रीजनल पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन भी प्रेषित किया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवप्रसाद सेमवाल का कहना है कि जिस तरह से मूल निवास और भू कानून खत्म किया जा रहा है, उससे एक दिन गढवाली और कुमाऊनी समुदाय जल्दी ही पहाड़ से गायब हो जाएंगे। आज उत्तराखंडियों में अपनी पहचान का संकट गहराता जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र पंत ने मांग की कि इतिहास में दर्ज तथ्यों के अनुसार एक समय में उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्र के 90त्न जनसंख्या खास जनजाति की थी तो फिर आजादी के बाद वह गायब कैसे हो गई ! सरकार को चाहिए कि इस जनजाति के अंदर आने वाली सभी जातियों का चिन्हीकरण करके उनको जनजाति का दर्जा दिया जाए। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय डोभाल ने सवाल किया कि यूसीसी कानून के मुताबिक एक वर्ष पहले भी उत्तराखंड आने वाला व्यक्ति यहां का स्थाई निवासी का दर्जा प्राप्त कर लेगा तो फिर उत्तराखंड के मूल निवासियों की पहचान खत्म ही हो जाएगी। संगठन सचिव सुलोचना ईष्टवाल ने मांग की कि जिस तरह से जौनसार में मूल निवास 1950 लागू है और बाहरी व्यक्ति वहां की जमीन नहीं खरीद सकता, उसी तरह से गढवाली और कुमाऊनी समुदाय को जनजाति का दर्जा मिलने से मूल निवास और भू कानून का संरक्षण स्वत: ही प्राप्त हो जाएगा। रीजनल महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष शैलबाला ममंगाई ने कहा कि बाकी राज्यों जैसे मध्यप्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों मे खस जनजाति की पहचान गढवाली और कुमाऊनी समुदाय के रीति रिवाज, धार्मिक परंपराएं ,खास जनजाति के अनुसार हैं, इसलिए सरकार से हमारा निवेदन है कि खस जनजाति के अंतर्गत आने वाली सभी जातियों का चिन्हीकरण करके इन सभी जातियों को जनजाति का दर्जा दिया जाए।

## सम्पादकीय

### मोह सभी कष्टों का कारण

आप किसी को भी चाह सकते हैं, प्यार कर सकते हैं पर लगाव और आसक्ति तनाव का कारण होती है। यह तनाव आदमी से कुछ भी करा सकता है। लड़ाई-झगड़ा, आत्महत्या, हत्या या बहुत मोह के कारण निधन। आदमी सोचता है कि अब सब कुछ खत्म हो गया। महाभारत, रामायण में ऐसे कितने अवसर आए जब किसी को मार डाला गया। लोगों ने दुख मनाया पर किसी ने आत्महत्या नहीं की या प्राण नहीं त्यागे। हां, द्रोणाचार्य ने अपने पुत्र अश्वत्थामा के निधन के समाचार से दुखी होकर प्राण त्याग दिए थे जबकि वह समाचार झूठा था और दिग्भ्रमित करने वाला था। अश्वत्थामा हतो नरो ना कुंजरो पर पीछे के शब्द धीरे बोले गए थे इसे रणनीति, राजनीति कहें या कुछ और।इस दुनिया के निर्माण से और मानवीय सभ्यता के उत्थान से लेकर आज तक कितने लोग पैदा हुए और मरे, कभी लड़ाइयां, दुर्घटनाएं, आपसी विवाद में हत्या, आत्महत्या या स्वाभाविक निधन, बीमारियों या अन्य कारणों से, पर दुनिया चलती रहती है, रुकती नहीं है। चलने का नाम दुनिया है। आदमी को जाने का बहाना चाहिए। ईश्वर की इस रचना के रहस्य को हम नहीं समझ सकते। लगाव एवं चाहना एक सीमा तक ठीक है पर जहां बड़ा मोह एवं आसक्ति का रूप ले लेता है। मोह सभी व्याधियों, कष्टों का मूल है। इंसान की मानसिक कमजोरी है और वह बढक़र क्या-क्या नहीं करा देती है। गीता एक ऐसा जीवन शास्त्र है जिसमें सब कुछ भगवान कृष्ण ने अर्जुन के मोह को नष्ट करने के लिए कहा है पर वह संदेश पूरे विश्व के लिए है। हर समय, हर परिस्थिति में जीने और कर्म करने के लिए है। हम नहीं जानते कि भगवान कृष्ण हुए थे या नहीं, गीता के संदेश उनके हैं या नहीं या किसने लिपिबद्ध किए, पर एक ऐसी जीवन्त और युगों-युगों तक मनुष्य मात्र को अपने उपदेशों से मार्गदर्शन करता रहेगा। कितने ऋषियों ने, विद्वानों ने महापुरुषों ने उसकी अपने-अपने ढंग से व्याख्या की है। हमें इस थाती पर गर्व होना चाहिए। गीता का थोड़ा या ज्यादा यदि जीवन में उतर जाए तो जीवन सार्थक हो जाए। जन्म के बाद मृत्यु तो एक सिक्के के दो पहलू हैं पर आदमी को कैसे जीना चाहिए यह गीता सिखाती है।

# पहाड़, अब सौंदर्य नहीं विनाश के प्रतीक

**तनवीर जाफ़री**

गर्मियों से परेशान होकर प्राय: लोग पहाड़ों का रुख़ करते हैं। पहाड़ों पर जहां कम तापमान के चलते पर्यटकों को गर्मी से निजात मिलती है तथा शरीर व मस्तिष्क को सुकून मिलता है वहीँ हमेशा से ही पहाड़ों का प्राकृतिक सौन्दर्य,ऊँची ऊँची गगन चुम्बी चोटियां,हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखलाएं,ग्लेशियर्स,पहाड़ों के लगभग हर मोड़ पर बहने वाले झरने,हरे भरे जंगल, ऑक्सीजन से परिपूर्ण ताज़ी आब-ो-हवा,गर्मी में भी सर्दी का एहसास दिलाने वाला वातावरण भी पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है। परन्तु अब पहाड़ों की हक़ीक़त बदलने लगी है। हिमाचल प्रदेश की शिमला जैसी प्राकृतक सौंदर्यों से भरपूर ठंडी व ख़ूबसूरत राजधानी भी अब जनसँख्या,पर्यटकों व वाहनों के बढ़ते बोझ के कारण गर्मी का एहसास दिलाने लगी है। पिछले दिनों भीषण गर्मी से निजात पाने के लिये पर्वतीय सीमा क्षेत्र सांगला की लगभग 400 किलोमीटर की यात्रा की। इस यात्रा के दौरान पहाड़ों की जो स्थिति देखी वह अत्यंत दुखदायी थी। ग्लोबल वार्मिंग के कारण हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखलाएं अब हिम रहित हो चुकी हैं। जिन पर्वत श्रृंखलाओं पर करोड़ों वर्षों से बर्फ़ की मोटी चादर ढकी हुई थी वे अब अपना हिमावरण उतार चुकी हैं और पत्थरों के पहाड़ साफ़ नज़र आ रहे हैं। हिम रहित पर्वत श्रृंखलाओं के चलते ग्लेशियर भी लगभग समाप्त हो गए हैं। इसकी वजह से हिमाचल प्रदेश में लगभग पूरे वर्ष कल कल कर बहने वाले शीतल जल के झरने अब सूख चुके हैं। लगभग चार दशकों से पर्वतीय अंचलों की यात्रा के दौरान विभिन्न पर्वतीय राज्यों में मैं ने देखा है कि जिस जगह झरने /चश्मे प्रवाहित होते थे वहां पर्यटकों की अच्छी ख़ासी भीड़ जमा हो जाती थी। कोई नहाता था कोई अपनी गाड़ियां धोता था ,कोई शीतल जल पीकर सुकून हासिल करता था। लोग फ़ोटो खींच कर अपनी पर्वतीय यात्रा के यादगार लम्हों को कैमरों में क़ैद कटे थे। कुछ स्थानीय लोग मक्के की छल्लियाँ या ऋतु के अनुसार कोई स्थानीय फल आदि बेचकर अपना जीविकोपार्जन किया करते थे। परन्तु अब तो यह बातें गोया कहानी क़िस्से बन चुकी हैं।

पहाड़ शुष्क हो रहे हैं। पहाड़ों पर गर्मी बढ़ती जा रही है। शुष्क पर्वतों में भूस्खलन तेज़ी से हो रहा है। उस पर सोने पर सुहागा यह कि विकास के नाम पर सड़कों का चौड़ीकरण करने के लिये पर्वतों को काटा जा रहा है जिससे करोड़ों पेड़ धराशायी हो रहे हैं। पहाड़ों पर तेज़ धार से बहने वाली सतलुज,बसपा व स्पीति जैसी अनेक नदियां अब गोया नदी के बजाये नालों की शक्ल ले चुकी हैं। विद्युत उत्पादन के चलते जगह जगह इन नदियों की धार को रोककर जल विद्युत उत्पादन संयंत्र भी लगाए गए हैं। उधर पर्यटकों की संख्या भी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इसकी वजह से वाहनों का तांता लगा रहता है। पर्वतीय क्षेत्रों में प्रदूषण बढ़ने का यह भी एक अहम कारण है। ज़ाहिर है इस विश्वस्तरीय आपदा का ज़िम्मेदार और कोई नहीं बल्कि स्वयं मानव है जिसके चलते स्वर्ग रुपी सुन्दर पृथ्वी दिन प्रतिदिन नर्क बनती जा रही है। लिहाज़ा यह कहना ग़लत नहीं होगा कि चित्त को चैन व आँखों को सुकून देने वाले पहाड़ अब सौंदर्य नहीं बल्कि विनाश के प्रतीक बनते जा रहे हैं।

# उठते-बैठते पी रहे प्लास्टिक की बोतल में पानी जान लें कितनी खतरनाक हो सकती है आपकी ये आदत

घर से लेकर ऑफिस और सफर तक आज बोतलबंद पानी हमारी लाइफ का अहम हिस्सा हो गया है. हम बेफिक्र होकर इसका इस्तेमाल कर रहे हैं. अगर आप भी ऐसा कर रहे हैं तो इसका मतलब अपनी बॉडी में जहर भर रहे हैं.

प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज नाम की संस्थान ने एक स्टडी में डराने वाला खुलासा किया है. जिसमें बताया गया है कि एक लीटर बोतलबंद पानी में करीब 2.40 लाख प्लास्टिक के महीन टुकड़े मौजूद होते हैं.जिसकी वजह से सेहत को गंभीर और जानलेवा खतरे हो सकते हैं.

**क्या है रिसर्च**

हालिया रिसर्च में शोधकर्ताओं को प्लास्टिक की बोतल में मौजूद एक लीटर पाी में ही 100,000 से ज्यादा नैनोप्लास्टिक मिले हैं. ये इतने छोटे कण होते हैं, जो ब्लड सर्कुलेशन, कोशिकाओं और दिमाग तक में पहुंच सकते हैं और कई खतरे बढ़ा सकते हैं.

ऐसे में सावधान रहने की जरूरत है.

**प्लास्टिक की बोतल में पानी क्यों खतरनाक**

एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्लास्टिक की बोतल के पानी में बिस्फेनॉल-ए और फेथलेट्स जैसे केमिकल्स घुल जाते हैं. जब बोतल का पानी धूप या गर्मी के संपर्क में आता है तो ये केमिकल्स पानी में घुल जाते हैं और शरीर के अंदर पहुंचकर नुकसान पहुंचाते हैं. इसके अलावा प्लास्टिक कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन और क्लोराइड से बनता है, जिसे बीपीए प्लास्टिक की पानी की बोतल बनाने में इस्तेमाल किया जाता है.

**प्लास्टिक बोतल में पानी पीने से क्या खतरें**

1. डायबिटीज और दिल को खतरा

हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की रिसर्च के अनुसार, पॉली कार्बोनेट की बोतलों के पानी में बिस्फेनॉल ए केमिकल होता है, जो जब शरीर में जाता है तो दिल की बीमारियों और डायबिटीज का खतरा कई गुना तक बढ़ा सकता है.

**2. प्रजनन क्षमता प्रभावित**

प्लास्टिक की बोतल में पानी पीने से उसमें मौजूद बीपीए और फैथलेट्स केमिकल प्रजनन क्षमता तक को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है. इस पानी को पीने से हार्मोनल संतुलन भी बिगड़ सकता है. इसकी वजह से बांझपन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं.

**3. कैंसर का खतरा**

एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्लास्टिक की बोतल में पानी पीने से कई तरह के कैंसर का खतरा बढ़ सकता है. इससे ब्रेस्ट और ब्रेन कैंसर हो सकता है. प्लास्टिक की पॉलिथीन में रखी गर्म चीज खाने या पीने से कैंसर का जोखिम बहुत ज्यादा बढ़ सकता है. इस पानी को पीने से ल्यूकेमिया और लिंफोमा जैसी बीमारियों का भी खतरा रहता है.

## कस्टम और क्राइम ब्रांच अधिकारी बनकर लोगों से की करोड़ों की ठगी करने का आरोपी गिरफ्तार

**देहरादून ( संवाददाता )।** कस्टम डिपार्टमेंट और क्राइम ब्रांच मुंबई के नाम से धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के एक और सदस्य को उत्तराखंड एसटीएफ ने बहराइच (उत्तर प्रदेश) से गिरफ्तार किया है। आरोपी अब तक कई राज्यों में करोड़ों की ठगी को अन्जाम दे चुका है। जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में देहरादून निवासी वरिष्ठ नागरिक ने शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें बताया था कि अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा उसके मोबाइल पर संपर्क कर खुद को कोरियर कंपनी और क्राईम ब्रांच अंधेरी से बताया गया। इसके बाद मुंबई कस्टम द्वारा पीड़ित के नाम से अवैध पासपोर्ट और क्रेडिट कार्ड सीज करने की जानकारी दी गई और मुंबई क्राइम ब्रांच अंधेरी से संपर्क करवाकर पीड़ित को स्काइप ऐप पर जोड़ा गया।

उसके बाद वीडियो कॉल पर पुलिस थाना दर्शाकर पार्सल के संबंध में मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग्स तस्करी, पहचान छुपाने के संबंध में फर्जी नोटिस भेजकर पीड़ित के नाम से चल रहे खातों में 38 मिलियन का अवैध ट्रांजेक्शन होना बताया गया। ऐसे में पासपोर्ट कार्यालय और मुंबई क्राइम ब्रांच से क्लीयरेंस प्रदान करने का झांसा देकर और जांच के नाम पर पीड़ित से 1 करोड़ 13 लाख रुपए की ठगी की गई। पीड़ित की शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी करने के लिए गठित टीम ने घटना में प्रयोग मोबाइल नंबर और संबंधित खातों की जानकारी की। जिसके बाद अपराध में शामिल 3 आरोपियों को कोटा राजस्थान से गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद टीम ने आरोपियों द्वारा पीड़ित को जो खाता संख्या और मोबाइल नंबर दिए थे, उसके बारे में जानकारी ली और एक अन्य आरोपी को बहराइच (उत्तर प्रदेश) से गिरफ्तार किया। एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि आरोपी द्वारा कोरियर कंपनी, कस्टम डिपार्टमेंट और मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर लोगों से मुंबई कस्टम द्वारा अवैध पासपोर्ट, अवैध ड्रग्स और क्रेडिट कार्ड सीज करने की जानकारी देकर लोगों को मनी लांड्रिंग, ड्रग्स तस्करी का संदिग्ध बताया जाता था। इसके बाद लोगों को फर्जी नोटिस भेजकर केस का निपटारा करने के नाम पर धोखाधड़ी की जाती थी।

## सरलीकरण और पारदर्शी खनन नीति से भर रहा सरकार का खजाना

**देहरादून ( संवाददाता )।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार का सरलीकरण से समाधान मंत्र और पारदर्शी खनन नीति का असर राज्य के खनन विभाग पर दिख रहा है। पिछले लंबे समय से राजस्व लक्ष्य के आधे में हांफने वाले खनन विभाग ने इस साल पहली तिमाही में ही पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ कर 270 करोड़ की रिकॉर्ड राजस्व प्राप्त की है। यह अवैध खनन के परिवहन और भंडारण पर प्रभावी रोक और खनन पट्टों के आवंटन में ऑनलाइन व्यवस्था से संभव हुआ है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार राज्य के राजस्व में बढ़ोत्तरी को लेकर नित नये फैसले और योजनाओं पर काम कर रही है। उप खनिज को लेकर भी सरकार ने ठोस उप खनिज परिहार नियामवली लागू कर राज्य में सरलीकरण से समाधान, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार रोकने के लिए खनन पट्टों का आवंटन के लिए ई निविदा, सह ई नीलामी से लेकर प्रवर्तन दलों से अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने की नीति बनाई। इसके अलावा राज्य के चार जिलों देहरादून, हरिद्वार, ऊधमसिंहनगर और नैनीताल में निविदा के माध्यम से आवंटित कम्पनी को राजस्व वसूली की जिम्मेदारी दी है। नतीजन, खनन विभाग की कार्यप्रणाली से लेकर राजस्व लक्ष्य में बेहतर सुधार दिखने लगे। खासकर विभाग को दिए गए 875 करोड़ के राजस्व लक्ष्य के सापेक्ष 2022-23 में 472.25 करोड़ तो 2023-24 में 645.42 करोड़ प्राप्त हुआ। इन दो वित्तीय वर्ष के राजस्व की तुलना करें तो विभाग ने 2023 में एक साल के भीतर ही 173.17 करोड़ ज्यादा राजस्व के साथ 40 फीसद इजाफा किया है। राजस्व इजाफे का यह सिलसिला जारी है और इस साल प्रथम तिमाही ( अप्रैल से जून) में ही विभाग ने पिछले रिकॉर्ड तोड़ कर रिकॉर्ड 270 करोड़ के साथ तीन सालों की तुलना में 53 फीसद अधिक राजस्व प्राप्त किया है। खनन निदेशक राजपाल लेघा ने बताया कि पिछले तीन साल के प्रथम तिमाही में 2022-23 में 136.18 करोड़, 2023-24 में 177.27 करोड़ तो चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में रिकॉर्ड 270 करोड़ का रिकॉर्ड राजस्व प्राप्त हो गया है। इससे वित्तीय वर्ष के लक्ष्य की प्राप्ति संभव है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष में और प्रभावी रूप में अवैध खनन पर कार्रवाई करते हुए पारदर्शिता के साथ सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कर लिया जाएगा।

## भारतीय टीम के टी 20 वर्ल्ड कप जीतने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

**विकासनगर ( संवाददाता )।** शहर कांग्रेस कमेटी विकासनगर द्वारा इंडिया टीम के टी 20 वर्ल्ड कप जीतने पर पटाखे फोड़ कर शहर कांग्रेस अध्यक्ष की तेज जायसवाल के नेतृत्व में जश्न मनाया व मिठाई वितरण किया। शहर अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा जिस प्रकार से इंडिया टीम ने देश का नाम पूरे वर्ल्ड में गर्व से ऊंचा किया है यह हम सब हिंदुस्तानियों के लिए गर्व की बात है हमें सभी खिलाड़ियों पर नाज है इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव विकास शर्मा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अभिनव ठाकुर भवन पथ पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष अनुपम कपिल जिला महामंत्री राजीव शर्मा, पूर्व सभासद मुनीर अहमद अनस मुनीर डब्लू भाई गोपाल शर्मा नरेश राणा नरेंद्र चैहान बबलू कनौजिया समी कनौजिया सचिन कपिल तरुण कपिल अभिनव जयसवाल बॉबी भाई हैरिस हैरिस आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# वाणी और अभिनय से कलाकार कथानक को जीवंत करते हैंः सविता मोहन

## एस.पी. ममगाई लिखित ऐतिहासिक नाटक ज्योतिर्मयी पदमिनी का लोकार्पण

**देहरादून ( संवाददाता )।** प्रसिद्ध रंगकर्मी और मेघदूत नाट्य संस्था के संस्थापक एस.पी. ममगाई द्वारा ऐतिहासिक कथानक पर लिखित नाटक ज्योतिर्मय पदमिनी पुस्तक का लोकार्पण रविवार को दून पुस्तकालय और शोध केंद्र के सभागार में आयोजित सादे किंतु गरिमामय समारोह में संपन्न हुआ।

उत्तराखंड की पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक और प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. सविता मोहन इस अवसर पर मुख्य अतिथि थी जबकि समारोह की अध्यक्षता टिहरी राजपरिवार के संस्कृति ध्वजवाहक ठाकुर भवानी प्रताप सिंह ने की। डॉ. योगेश धस्माना तथा मो. इकबाल अजर इस मौके पर विशिष्ट अतिथि थे। अपने संबोधन में डॉ. सविता मोहन ने कहा कि किसी भी कथानक को कलाकार अपनी वाणी और अभिनय से जीवंत बनाते हैं और जब दर्शक किसी नाटक के साथ आत्मसात होकर उसमें खुद को तलाशता है तो यही नाटक की सफलता होती है। उन्होंने कहा कि लेखक के भाव अभिनेता के माध्यम से जब दर्शक तक पहुंचते हैं और दर्शक मंत्रमुग्ध होकर उसमें खो जाता है तो नाटक का लेखन सफल माना जाता है। उनका कहना था कि नाटक भारतवर्ष की प्राचीन विधा है। भरत मुनि के नाट्य शास्त्र का भी उन्होंने उल्लेख किया।

डॉ. सविता मोहन ने पदमावती के चरित्र चित्रण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इतिहासकारों में इस चरित्र को लेकर मत भिन्नता है किंतु मलिक मोहम्मद जायसी ने जिस कथावस्तु के साथ पदमावत की रचना की वह अपने आप में अद्भुत है और उसे महज किसी कवि की कल्पना मात्र नहीं कहा जा सकता। उन्होंने इतिहासकारों द्वारा पदमिनी के सापेक्ष और निरपेक्ष दोनों पक्षों के प्रति तर्क देते हुए कहा कि सूफी परम्परा के कवि जायसी ने एक कालखंड का वर्णन तो किया ही है जो अपने आप में अद्भुत है। उन्होंने कलाकारों का आह्वान किया कि वे अपने अंदर अभिनय की भूख बनाए रखें। उनका कहना था कि नाटक के पात्र को जीना ब्रह्म को प्राप्त करने के समान साधना है। डॉ. योगेश धस्माना ने अपने संबोधन में कहा कि नाटकों की रचना और उनका प्रस्तुतिकरण आज के दौर में चुनौती भरा काम है और इस काम को जिस शिद्दत के साथ ममगाई जी कर रहे हैं, वह निश्चित ही स्तुत्य कर्म है। उन्होंने उत्तराखंड की नाट्य परम्परा और इस क्षेत्र में काम कर चुके लोगों के कृतित्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

मो. इकबाल अजर ने कहा कि ममगाई जी का कार्य नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत है और नाटकों के क्षेत्र में उनका योगदान विशिष्ट रहा है। ठाकुर भवानी प्रसाद सिंह ने श्री ममगाई को बधाई देते हुए उनसे आग्रह किया कि गढ़वाल की गौरव गाथाओं को भी अपने नाटक की विषयवस्तु बनाएं। उन्होंने महारानी कर्णावती, फतेहप्रकाश तथा कतिपय अन्य विषयों का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तराखंड के इन ऐतिहासिक विषयों पर अभी तक काम नहीं हुआ है, इन पर नाट्य विधा के माध्यम से काम होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने यथोचित सहयोग की पेशकश भी की।

इससे पूर्व सभी अतिथियों का शॉल ओढ़ा कर अभिनंदन किया गया। रंगकर्मी एस.पी. ममगाई ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि श्री ममगाई नाट्य कर्म को मिशन की तरह जीते हैं और अब तक अनेक नई प्रतिभाओं को तराश चुके हैं। श्री ममगाई ने कहा कि उन्होंने गहन शोध और अध्ययन के बाद इस नाट्य पुस्तक को तैयार किया है और रंगकर्मियों के लिए यह एक कथावस्तु के रूप में उपलब्ध है।

कार्यक्रम के मध्य में नाटक ज्योतिर्मयी पदमिनी नाटक के कतिपय अंशों का कलाकारों द्वारा वाचिक अभिनय भी किया गया। इस अवसर पर संगीतकार रामचरण जुयाल ने हुड़का और मोछंग के साथ कलाकारों को संगत दी। नाटक में मेघदूत नाट्य संस्था की सिद्धहस्त कलाकार मिताली पुनेठा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार दिनेश शास्त्री ने किया।

इस अवसर पर देहरादून के वरिष्ठ रंगकर्मी अभि नंदा, वरिष्ठ पत्रकार जय सिंह रावत, दून पुस्तकालय के चंद्रशेखर तिवारी, वरिष्ठ साहित्यकार नीरज नैथानी, मेघदूत के उत्तम बन्दूनी, सपना गुलाटी, सिद्धार्थ डंगवाल, सुनील तंवर, विजय डबराल, अशोक मिश्र, नंद किशोर त्रिपाठी, सावित्री उनियाल, गिरिविजय ढौंडियाल, अंशुमन सजवान, वीरेंद्र ममगाई, अंजलि बुढाकोटी, गोकुल पंवार, मेघदूत के सचिव दिनेश बौड़ाई, सुरेंद्र सिंह सजवान तथा समय साक्ष्य प्रकाशन के प्रवीण भट्ट सहित अनेक छात्र छात्राएं और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

## विराट कोहली और रोहित शर्मा ने किया संन्यास का ऐलान

**नई दिल्ली ।** टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में टीम इंडिया ने इतिहास रच दिया। फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को 7 रनों से हराया और इसके साथ ही उसके दिग्गज कप्तान रोहित शर्मा ने संन्यास का ऐलान भी कर दिया। इससे पहले विराट कोहली भी ञ्20 इंटरनेशनल से संन्यास का ऐलान कर चुके हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खिताबी जीत हासिल करने के बाद रोहित शर्मा ने सभी के सामने ऐलान किया कि वो अब टीम इंडिया के टी20 फॉर्मेट में नहीं खेलेंगे। रोहित ने 2007 के टी20 वर्ल्ड कप में ही इस फॉर्मेट में टीम इंडिया के लिए अपना डेब्यू किया था और तब भारत को पहले इवेंट में ही चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। अब अपने 9वें टी20 वर्ल्ड कप में रोहित ने कप्तानी करते हुए टीम इंडिया को 17 साल बाद दूसरी बार यही खिताब दिलाया और इस टूर्नामेंट के फाइनल के साथ ही फॉर्मेट को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। टीम इंडिया की खिताबी जीत के बाद रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये ऐलान किया। उन्होंने कहा कि ये टीम इंडिया के लिए उनका आखिरी टी20 मैच था और इससे संन्यास लेने का इससे शानदार वक्त और तरीका कोई दूसरा नहीं हो सकता था। भारतीय कप्तान ने कहा कि वो इस टूर्नामेंट को जीतने के लिए बहुत ही बेसब्र थे और आखिरकार वो रुकावट पार करने में सफल हो ही गए, जिस पर पिछले 10 सालों से अटक रहे थे। रोहित ने सिर्फ अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को चैंपियन ही नहीं बनाया, बल्कि खुद अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से इसमें अहम भूमिका निभाई। टूर्नामेंट के फाइनल में भले ही वो सिर्फ 9 रन बनाकर आउट हो गए लेकिन भारतीय कप्तान ने इससे पहले सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ और उससे पहले सुपर-8 के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धमाकेदार अर्धशतक लगाए थे। रोहित ने पूरे वर्ल्ड कप की 8 पारियों में भारत के लिए सबसे ज्यादा 257 रन बनाए, जिसमें 3 अर्धशतक शामिल थे। इस फॉर्मेट में रोहित का सफर शानदार रहा। उन्होंने अपने करियर का अंत टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन, सबसे ज्यादा शतक और सबसे ज्यादा छक्के जमाने वाले बल्लेबाज के रूप में किया। रोहित ने भारत के लिए सबसे ज्यादा 159 मैच भी खेले और 32 की औसत से रिकॉर्ड 4231 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 140.89 का रहा, जिसमें 5 शतक और रिकॉर्ड 305 छक्के शामिल हैं। इतना ही नहीं, विराट कोहली के बाद रोहित 1220 रनों के साथ टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज भी हैं।

# हरियाणा में अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ेगी और पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी भाजपा- अमित शाह

चंडीगढ़ । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने माता मनसा देवी की भूमि पंचकूला से घोषणा करते हुए कहा कि भाजपा किसी भी पार्टी के साथ समझौता नहीं करेगी और अकेले ही पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को हर घर में जाकर प्रत्येक वोटर से वोट की अपील करनी होगी। केंद्रीय गृहमंत्री शनिवार को पंचकूला में आयोजित विस्तृत प्रदेश कार्यकारिणी की दूसरे सत्र की बैठक को संबोधित कर रहे थे। अमित शाह ने कहा कि प्रति व्यक्ति प्रति एकड़ अनाज पैदा करने में म्हारे हरियाणा ने रिकॉर्ड बनाया है। देश को रक्षक देने में अनुपातिक तौर पर सबतै आगे म्हारे हरियाणा है। स्वर्ण पदक दिलाने में हरियाणा के धाकड़ खिलाड़ी आगे हैं। बासमती चावल का उत्पादन सबसे ज्यादा ''म्हारा हरियाणा'' कर रहा है। लाल डोरे को मालिकाना हक सबसे पहले हरियाणा में दिया गया। आयुष विश्वविद्यालय बनाने के अलावा अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देना हरियाणा के रिकॉर्ड को दर्शाता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा सरकार द्वारा पिछले 10 सालों में किए गए कार्यों से लोगो को अवगत करवाएं।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि पिछले 10 साल में भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने हरियाणा प्रदेश में 2,70,000 करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने देश में कई असंभव बातों को संभव करके दिखाया है, इनमें अयोध्या का राम मंदिर निर्माण, जम्मू कश्मीर की धारा 370 व 35ए को समाप्त करना, सर्जिकल स्ट्राइक करके पाकिस्तान को संदेश देना, देश में नई शिक्षा नीति को लागू करना शामिल रहा है।

अमित शाह ने कहा कि हरियाणा प्रदेश को पूरे देश में कई महत्वपूर्ण चीजों के लिए जाना जाता है। देश को कई मामलों में हरियाणा ने आत्मनिर्भर बनाया है। अनाज के गोदाम किसानों के द्वारा पैदा किए हुए अन्न से भरे हुए हैं। देश की सेना में हरियाणा के ज्यादा संख्या में जवान हैं। खेल के मैदान में स्वर्ण दिलवाने वाले भी हरियाणा के धाकड़ खिलाड़ी आगे मिलते हैं। हरियाणा की धरती पर ही कुरुक्षेत्र में गीता का उपदेश दिया गया। महाराजा अग्रसेन, दानवीर कर्ण, गुरु द्रोणाचार्य भी हरियाणा की धरती पर पैदा हुए हैं।

कार्यकर्ताओं में जोश और नई ऊर्जा भरते हुए श्री शाह ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो बूथ स्तर से मतदाता की कद्र करती है। किसी भी जीत का श्रेय पार्टी अपने बूथ कार्यकर्ता को देती है। इसी कारण कार्यकर्ताओं के समूह को भाजपा में देव दुर्लभ फौज कहा जाता है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह खुद को भाजपा पार्टी का समर्पित सिपाही समझकर एक-एक वोट के लिए काम करें। श्री शाह ने कहा कि हमारे जैसे कार्यकर्ता किसी अन्य पार्टी के पास नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता बड़े गर्व के साथ जनता के बीच जाएं, क्योंकि मोदी और मनोहर-नायब सरकार ने ऐसा कोई काम नहीं किया जिससे कार्यकर्ताओं को सिर झुकाना पड़े। हमने हर मोर्चे पर देश की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हारा हुआ विपक्ष अपने आपको जीता हुआ समझ रहा है यह विपक्ष झूठ फैला रहा है। श्री शाह ने कहा कि हम गरीब कल्याण के आधार पर सरकार बनाएंगे। हरियाणा ने समग्र रूप से विकास किया है। भाजपा सरकार ने युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के नौकरियां दी है और भ्रष्टाचार मुक्त हरियाणा दिया है। शाह ने कहा कि कांग्रेस जनता में भ्रम फैलाकर लोकसभा चुनाव में मिली हार को छिपाने में लगी है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी देश में 6 दशक के बाद तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले पहले नेता हैं। भाजपा की जीत का आधार पार्टी का सिद्धांत कार्यकर्ताओं का परिश्रम और भाजपा की सरकारों द्वारा किए गए लोक कल्याण के काम हैं। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि हरियाणा कांग्रेस के नेता कट, कमीशन और करप्शन में लिप्त रहे हैं। पहले हरियाणा में एक सरकार एक जिले के लिए, दूसरी सरकार दूसरे जिले के लिए काम करती थी, लेकिन भाजपा ने 10 वर्षों में पूरे हरियाणा में एक समान काम किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र में कमल की सरकार बना दी है और अब हरियाणा में भी तीसरी बार कमल की सरकार बनानी है। कांग्रेस नेताओं पर तंज कसते हुए केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि सोनिया की आंखों का तारा (राहुल गांधी) और हुड्डा साहब का सितारा अब हरियाणा में तारा-सितारा नहीं चलेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि हरियाणा में दो तिहाई बहुमत से जीतना है।

## मानवता हुई शर्मसार : बड़े भाई की अर्थी रोक कर परिजनों के साथ मिलकर भाभी के साथ मारपीट

सीतापुर । प्रोपर्टी के विवाद में मानवता को शर्मसार करने का एक मामला सामने आया है। यह मामला उत्तर प्रदेश के जनपद सीतापुर के कस्बा व थाना सदरपुर का है जहां पर मृतक के रिश्तेदार व परिवार के भाइयों ने प्रोपर्टी के लालच में बड़े भाई की घर से निकली अर्थी को रोक कर घर में रो रही मृतक की पत्नी मृतक की बेटियों को बेरहमी से पीटा है। गन्दी गन्दी गालियां भी दीं है। इससे घटना स्थल पर लोग जमा हो गए इस मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को कई बार दी गई लेकिन पुलिस वक्त पर नहीं पहुंची जिससे मामला और बिगड़ता चला गया। वहीं हद तो तब हो गई जब छोटे भाई ने परिजनों के साथ मिलकर बड़े भाई की अर्थी को बीच रास्ते रोक लिया। इसके बाद मारपीट शुरू कर दी और मां बेटी सहित कई लोग जख्मी हुए हैं। फिलहाल सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। पीड़ित परिवार के द्वारा थाने में तहरीर भी दी गई है पूरा मामला वहां पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक जांच में जुटी है।

## बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जम्मू से यात्रियों का एक और जत्था रवाना

जम्मू । जम्मू-कश्मीर में पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 6,619 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रविवार को यहां से घाटी के लिए रवाना हुआ। इससे पहले शनिवार को 13 हजार से अधिक यात्रियों ने पवित्र गुफा में दर्शन किए थे। अधिकारियों ने बताया कि 6,619 यात्रियों का तीसरा जत्था रविवार सुबह 151 वाहनों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। उन्होंने कहा, इनमें से 2,781 यात्री 3ः50 बजे 151 वाहनों में सवार होकर बालटाल आधार शिविर के लिए और 3,838 यात्री 168 वाहनों में सवार होकर सुबह 4ः42 बजे नुनवान (पहलगाम) आधार शिविर के लिए रवाना हुए। दोनों काफिलों को सुरक्षा घेरे में रवाना किया गया। इस साल 52 दिन तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी और 19 अगस्त को रक्षा बंधन के त्यौहार के साथ समाप्त होगी। यात्री 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम-गुफा तीर्थ मार्ग से या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल-गुफा तीर्थ मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग से जाने पर 'दर्शन' करने के बाद उसी दिन वापस आधार शिविर लौट सकते हैं। समुद्र तल से 3,888 मीटर ऊपर स्थित गुफा मंदिर में बर्फ की एक संरचना है जो चंद्रमा की कलाओं के साथ घटती-बढ़ती रहती है। भक्तों का मानना है कि बर्फ की यह संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है। इस वर्ष लगभग 300 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर, दोनों यात्रा मार्गों पर, दोनों आधार शिविरों पर और गुफा मंदिर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं, ताकि यात्रा सुचारू और निर्बाध हो सके। दोनों मार्गों पर और पारगमन शिविरों और गुफा मंदिर में 124 से अधिक 'लंगर' लगाए गए हैं। इस वर्ष की यात्रा के दौरान 7,000 से अधिक 'सेवादार' (स्वयंसेवक) यात्रियों की सेवा कर रहे हैं। यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने 3 जुलाई से अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

## हिज्ब-उत-तहरीर केस में एनआईए की बड़ी कार्रवाई, सुबह-सुबह 10 जगहों पर की छापामारी

तमिलनाडु । राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हिज्ब-उत-तहरीर केस के सिलसिले में तमिलनाडु में 10 जगहों पर रविवार की सुबह रेड की है। इसमें इरोड जिले के दो जगह शामिल है। सूत्रों ने बताया कि रेड अभी भी जारी है। मामले को लेकर और जानकारी आना बाकी है। इससे पहले ह्ढ्ढ ने 2021 में तमिलनाडु में कई जगहों पर तलाशी के बाद एक व्यक्ति को मदुरै के हिज्ब-उत-तहरीर केस में गिरफ्तार किया था। इसे मामले में तमिलनाडु के मदुरै शहर के थिडीर नगर पुलिस स्टेशन में ह्ढ्ढक्रष्ट की विभिन्न धाराओं और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 13(1)(बी) के तहत केस दर्ज किया गया था। इस मामले में आरोपी मोहम्मद इकबाल ने कथित तौर पर एक विशेष समुदाय को बदनाम करने वाले पोस्ट अपलोड करने के लिए अपने फेसबुक अकाउंट 'थोंगा विजिगल रेंडु इज इन काजिमार स्ट्रीट' का इस्तेमाल किया था। इस पोस्ट में एक विशेष समुदाय को बदनाम किया गया और कानून व्यवस्था बिगाडऩे के लिए विभिन्न धर्मों के बीच सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा दिया गया।

## कोच से कप्तान तक, टी20 चैंपियन बनी टीम इंडिया में होंगे यह बड़े बदलाव

नई दिल्ली । टीम इंडिया के नाम रहा. भारतीय टीम ने रोहित शर्मा (·ý¤àæhit Sharma) की कप्तानी में टी20 विश्व कप का खिताब जीता. इस जीत के बाद भारतीय क्रिकेट फैंस खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं. हालांकि इन खुशियों के बीच फैंस के लिए कुछ बुरी खबरें भी हैं. इस वर्ल्ड कप के बाद भारत की टी20 टीम में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे. टी20 टीम में कप्तान और कोच सब बदल जाएंगे.

### टी20 टीम को मिलेगा नया कप्तान

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के साथ ही भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और उनके साथ पूर्व कप्तान विराट कोहली ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास का एलान कर दिया था. दोनों ही खिलाड़ियों ने फाइनल के ज़रिए भारत के लिए आखिरी टी20 मैच खेला. अब रोहित शर्मा और विराट कोहली भारत की टी20 टीम में नहीं दिखाई देंगे. टी20 वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा ने भारत की कमान संभाली थी. अब उनके रिटायरमेंट के बाद टी20 टीम को नया कप्तान मिलेगा. रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में अक्सर हार्दिक पांड्या को भारत की टी20 टीम की कमान संभालते हुए देखा गया है. रोहित शर्मा के रहने तक कोई भी टी20 टीम का पर्मानेंट कप्तान नहीं था, लेकिन अब टीम रोहित के बाद टीम को पर्मानेंट कप्तान मिलेगा. अब देखना दिलचस्प होगा भारत की टी20 टीम का स्थायी कप्तान किसे बनाया जाता है.

### कौन संभालेंगा विराट कोहली की ज़िम्मेदारी?

सबसे पहली बात तो यह कि विराट कोहली को कोई खिलाड़ी रिप्लेस नहीं कर सकता और न ही कोई खिलाड़ी टीम इंडिया में उनकी ज़िम्मेदारी पूरी कर सकता है. इस टी20 विश्व कप को हटा दें तो विराट कोहली टी20 में भी भारत के लिए नंबर तीन पर खेलते थे. ऐसे में अब कोहली के बाद नंबर तीन पर खेलने वाले खिलाड़ी की ज़िम्मेदारी बहुत बड़ी हो जाएगी. अब देखना दिलचस्प होगा कि नंबर तीन पर किस खिलाड़ी को मौका दिया जाता है.

### बदल जाएंगे हेड कोच

टी20 वर्ल्ड कप खत्म होने के साथ टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल भी खत्म हो गया. द्रविड़ तीनों ही फॉर्मेट में भारत के कोच थे. अब तीनों ही फॉर्मेट में टीम इंडिया को नया कोच मिलेगा. हेड कोच के लिए गौतम गंभीर का नाम काफी चर्चाओं में हैं.

# केले के फायदे कर देंगे आपको हैरान, सेहत ही नहीं त्वचा के लिए भी है वरदान...

जैसा कि हम सभी जानते हैं केला एक स्वादिष्ट और पौष्टिक फल है, जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना गया है. इसमें विटामिन, खनिज और फाइबर जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है. यह सेहत के साथ-साथ त्वचा के लिए भी काफी लाभदायक माना गया है. इसका इस्तेमाल कर लोग अपने चेहरे की सुंदरता को बढ़ा सकते हैं और पिंपल्स दाग धब्बों से छुटकारा पा सकते हैं.

**त्वचा के लिए केले के फायदे**

केले में पोटेशियम होता है, जो त्वचा को मॉइस्चराइज करने में काफी मदद करता है. यह मुंहासों से लडने् की ताकत रखता है और त्वचा को चमकदार बनाने में काफी मदद करता है. यही नहीं केला झुर्रियों को कम करता है और चेहरे को हमेशा जवान रखता है. गर्मी के दिनों में सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने में भी केला काफी मदद करता है. जिन लोगों को डार्क सर्कल्स की समस्या है, वह केले का इस्तेमाल कर सकते हैं. यह डार्क सर्कल्स को कम कर सकता है. त्वचा के साथ-साथ केला बालों के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है. इसका इस्तेमाल कर आप अपने बालों को लंबा, घना और खूबसूरत बना सकते हैं.

**केले का इस्तेमाल**

आप केले का इस्तेमाल कर फेस पैक बना सकते हैं इसके लिए आपको एक केले को पीस लेना होगा, उसमें दही को मिलाकर अच्छे से पेस्ट तैयार कर लेना होगा. इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर 20 मिनट तक लगा रहने दे, इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें. केला और दही दोनों आपकी त्वचा को मुलायम बनाने में मदद करेगा.

इसके अलावा आप पीसे हुए केले में एक चम्मच हल्दी और एक चम्मच नीम का पाउडर मिला लें. इसको अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बना ले. इस पेस्ट को 15 से 20 मिनट तक अपने चेहरे पर लगाएं, फिर साफ पानी से धो लें. ऐसा करने से पिंपल से जुड़ी सभी परेशानियां दूर होगी. इस फेस पैक का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें, क्योंकि कुछ लोगों को इससे एलर्जी हो सकती है. ऐसा होने पर डॉक्टर की सलाह जरूर लें.

**सेहत के लिए केले के फायदे**

केला पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है और कब्ज, एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है. केले में पोटैशियम भरपूर होता है, जो रक्तचाप को कम करने में मदद करता है और हृदय संबंधित समस्या से राहत दिलाता है. केला मांसपेशियों की ऐंठन को रोकने में काफी मदद करता है. यही नहीं केला हड्डियों को मजबूत बनाने में भी काफी कारगर माना गया है. यह ऊर्जा का स्तर बढ़ाने में भी काफी उपयोगी माना गया है.

# गर्मी के दिनों में हल्का महसूस करने के लिए महिलाएं जरूर ट्राई करें ये साडिय़ां

गर्मी के दिनों में अधिकतर महिलाएं काम करते वक्त पसीना आने की वजह से काफी परेशान हो जाती है. इसकी वजह होती है गर्मी में गलत कपड़ों का चयन करना. कुछ महिलाएं ऐसी हैं, जो गर्मी में भी वही मोटे कपड़े की साडिय़ां पहनती हैं, जो वे सर्दियों में पहनती थी. लेकिन ऐसा करने से वे और ज्यादा परेशान हो जाती हैं और साडिय़ों को लेकर कंफ्यूज रहती है. गर्मी के दिनों में कौन सी साड़ी पहनना चाहिए इसको लेकर आप भी परेशान है, तो ये खबर आपके लिए है. आज हम आपको ऐसी साडिय़ों के बारे में बताएंगे, जिन्हें आप गर्मियों में पहन सकती हैं और अपने आपको परेशानियों से दूर रख सकती हैं.

**इन साडिय़ों का करें इस्तेमाल**

गर्मी के दिनों में हल्का महसूस करने के लिए महिलाएं इन साडिय़ों का इस्तेमाल कर सकती है. सबसे पहले सूती साडिय़ां गर्मी के मौसम में आरामदायक और हल्की होती है, इसकी वजह से महिलाओं को पसीने की परेशानी से छुटकारा मिलता है. इनकी हवादार बनावट आपको कूल रखने में मदद करती है. आपको बाजार में आसानी से सूती साडिय़ां विभिन्न रंगों, प्रिंटों और डिजाइनों में मिल जाएगी.

**लिनन की साडिय़ां**

इसके अलावा आप गर्मी के मौसम में लिनन की साडिय़ां पहन सकती हैं. इसका कपड़ा काफी हल्का होता है, जिससे हवा आसानी से पास होती है और महिलाएं काम करते वक्त भी ठंड महसूस करती है. गर्मी को दूर रखने के लिए लिनन की साड़ी महिलाओं के लिए बेस्ट ऑप्शन है. लिनन की साडिय़ां टिकाऊ और झुर्रियों से मुक्त होती हैं, जो गर्मियों के लिए एकदम सही बनाती हैं.

**जॉर्जेट की साडिय़ां**

इन दोनों के अलावा महिलाएं गर्मी के दिनों में जॉर्जेट की साडिय़ां ट्राई कर सकती हैं. जॉर्जेट एक सिंथेटिक कपड़ा है, जो हल्का, पतला और बहने वाला होता है. महिलाएं अगर जॉर्जेट के कपड़े वाली साड़ी को गर्मी की दिनों में पहनती है, तो उन्हें गर्मी में पसीने से छुटकारा मिलेगा और काम करते वक्त राहत मिलेगी. आप गर्मी के दिनों में खादी की साडिय़ां भी ट्राई कर सकती हैं. यह गर्मी को दूर रखती है और पसीने से बचाती है. यह एक प्राकृतिक और हल्का कपड़ा है, जो गर्मी के लिए बेस्ट ऑप्शन हैं.

**मलमल की साडिय़ां**

गर्मी के दिनों में मलमल की साडिय़ां भी काफी बेहतरीन होती है, इसे पहन कर महिलाएं गर्मी में पसीने से छुटकारा पा सकती है. इन साडिय़ों के अलावा आप गर्मियों में हल्के रंग की साडियों का चयन करें, पतले कपड़े से बनी साडिय़ां पहनें, ढीले-ढाले कपड़े पहनें. इन आसान टिप्स को फॉलो कर आप आसानी से गर्मियों में खुद को कुल रख सकती हैं.

# हीट वेव के दौरान भी सर्दी-जुकाम ने कर रखा है परेशान तो जानें कैसे इस बीमारी से बच सकते हैं?

इन दिनों हीट वेव के कारण लोगों का हाल बेहाल है. लोगों को चक्कर और कमजोर की शिकायत अक्सर देखने को मिल रही है. इस भीषण गर्मी की वजह से लोग डिहाइड्रेशन का शिकार हो रहे हैं. हीट वेव चल रहा है लेकिन इस मौसम में भी लोग सर्दी-खांसी जुकाम से काफी ज्यादा परेशान है. ऐसे में सवाल यह उठता है कि कैसे इस बीमारी से बचा जाए?

**गर्मी में सर्दी-जुकाम के कारण**

गर्मी में अक्सर खानपान में लापरवाही की जाती है. इस दौरान इम्युनिटी कमजोर हो जाती है. कमजोर इम्युनिटी के चक्कर में अक्सर लोग इंफेक्शन के शिकार हो जाते हैं. इस मौसम में ऐसे खाना खाना चाहिए जो एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन ष्ट से भरपूर होते हैं. इसे खाने से इम्युनिटी बेहतर होती है. गर्मी के कारण जुकाम की समस्या होती है.

डॉक्टर्स के मुताबिक सर्दी-जुकाम के दौरान साफ-सफाई का खास ख्याल रखें. साफ-सफाई का ख्याल नहीं रखेंगे तो एलर्जी के शिकायत हो सकते हैं.

आजकल लोग लगातार ऑफिस में रहते हैं. आदमी लगातार एसी में रहता है और फिर धूप में निकलता है तो शरीर का टेंपरेचर अचानक से अप-डाउन होता है. ऐसे में सर्दी-गर्मी और समर कोल्ड का कारण बन सकता है. गर्मियों में सर्दी-जुकाम के कारण इंफेक्शन होने का खतरा होता है. यह वायरस हवा के दौरान फैलने लगते हैं.

सर्दी-जुकाम के कारण लोगों की इम्युनिटी कमजोर हो जाती है. इसके कारण बार-बार खांसी उठना, गले में दर्द और सिरदर्द की शिकायत होने लगती है.

**गर्मी में सर्दी-खांसी से बचाव के उपाय**

गर्मी में साफ-सफाई का खास ध्यान रखें क्योंकि साबुन से हाथ साफ रखेंगे तो सर्दी-जुकाम कंट्रोल में रहेगी.

भीड़भाड़ में निकलते वक्त साफ-सफाई का खास ध्यान रखें. क्योंकि ऐसे वायरस शरीर के अंदर घुसे तो फिर शरीर के लिए नुकसानदायक भी है. भीषण गर्मी में सबसे जरूरी है कि शरीर को हाइड्रेटेड रखें. ऐसे खाना और फल खाएं जिसमें मिनरल्स और विटामिन्स भरपूर मात्रा में हो. इससे इम्युनिटी मजबूत रहती है. अगर आप ज्यादा पानी पीते हैं तो इसमें नींबू मिलाकर पिएं. नारियल पानी और लस्सी पिएं.

# नीट पेपर लीक : गुजरात में सीबीआई ने जय जलाराम स्कूल के चेयरमैन को हिरासत में लिया

अहमदाबाद । नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पंचमहल जिले के जय जलाराम स्कूल के चेयरमैन दीक्षित पटेल को शनिवार देर रात हिरासत में ले लिया। दीक्षित पटेल को हिरासत में लेने के बाद गोधरा सिविल अस्पताल में उनका मेडिकल कराया गया। नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरोपियों के संपर्क में होने के संदेह के आधार पर सीबीआई ने दीक्षित पटेल के खिलाफ यह कार्रवाई की है।

इससे पहले 27 जून को नीट में धोखाधड़ी के मामले में सीबीआई ने दीक्षित पटेल से पूछताछ की थी। इसके अलावा सीबीआई ने कुछ छात्रों के परिजनों के भी बयान दर्ज किए। नीट पास कराने के लिए 10 लाख रुपये की ठगी के मामले में जय जलाराम स्कूल के प्रिंसिपल और एक शिक्षक को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि नीट में गड़बड़ी करने के आरोप में गुजरात पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी गिरफ्तारी के बाद ढाई करोड़ रुपए के मनी ट्रेल की बात सामने आई थी। पुलिस के मुताबिक, छात्रों से पैसे लेकर नीट परीक्षा पास कराने का गोरखधंधा चल रहा था। पिछले महीने पंचमहल जिले के कलेक्टर को मिली सूचना के आधार पर गोधरा के जय जलाराम स्कूल के नीट परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया गया। इस दौरान इस बात का खुलासा हुआ कि बच्चों से पैसे लेकर परीक्षा पास कराने का खेल हुआ है। पुलिस की जांच के अनुसार, इस सेंटर पर परीक्षा देने वाले कई उम्मीदवार नकल माफिया के संपर्क में थे। ऐसे छात्रों से 10-10 लाख रुपए लिए जाने की बात भी सामने आई।

# नाबालिका की हत्या के मामले में पुलिस ने किया छह आरोपियों को गिरफ्तार

हरिद्वार, संवाददाता। नाबालिका की हत्या का खुलासा करते हुए थाना बहादराबाद पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि भाजपा से निष्कासित प्रधानपति आदित्यराज सैनी सहित तीन आरोपियों की तलाश की जा रही है। सामूहिक दुष्कर्म का शिकार होने पर प्रेमी से मदद मांगने गयी नाबालिक के प्रेमी ने ही हत्याकांड को अंजाम दिया था। मायापुर स्थित एसपी सिटी कार्यालय में घटना का खुलासा करते हुए एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि 24 जून को सवेरे लगभग 5 बजे पतंजलि रिसर्च सेंटर शांतरशाह के पास एक अज्ञात किशोरी का शव बरामद हुआ था। मृतका की पहचान न हो पाने पर शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल मोर्चरी में रखवाया गया। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए चिकित्सकों के पैनल द्वारा वीडियो रिकॉर्डिंग करते हुए पोस्टमार्टम किया गया। काफी प्रयासों के बाद मृतका की पहचान हुई। मृतका की मां की तहरीर के आधार पर थाना बहादराबाद में रेप, पॉक्सो व हत्या अन्य प्रभावी धाराओं में मुकद्मा दर्ज किया गया। घटना के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीमों की जांच पड़ताल में सामने आया कि मृतका विगत 6 माह से नामजद आरोपी अमित सैनी के संपर्क में थी। जो उसे बहला फुसला कर शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। घटना से पूर्व 23 जून की रात नितिन जो कि मृतका को पूर्व से जानता था ने सोची समझी साजिश के तहत अपने दोस्तों निखिल पांचाल, तुषार उर्फ भोला व एक अन्य दोस्त के साथ मृतका के साथ दुष्कर्म का प्लान बनाया। साजिश के तहत नितिन ने मृतका से संपर्क कर उसे मिलने के लिए बुलाया। शाम को शिवगंगा विहार तिराहा शांतरशाह रोड से नितिन और निखिल मृतका को अपनी बुलेट मोटर साइकिल बैठाकर ले आए तथा तुषार उर्फ भोला व तुषार का दोस्त मौसम उन्हें हाईवे पर मिले। इसके बाद पांचों दो मोटरसाइकिल पर बोंगला बाइपास रोड पर आए और वहां उन्होंने बीयर पी और मृतका को भी पिलाई। मृतका को अधिक नशा होने पर चारों उसे गंगा नहाने का बहाना कर हरिद्वार ले गए। उसके बाद वहां से वापस रोहल्की जाने वाली रोड पर सुनसान जगह पर ले गए। जहां नितिन व निखिल ने बारी-बारी मृतका के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद तुषार व मौसम मृतका के साथ दुष्कर्म करने वाले थे। लेकिन इसी दौरान सड़क पर कुछ लोगों के आने जाने से वे डर गए और नितिन व निखिल ने किशोरी को अपनी मोटर साइकिल पर बैठाकर उसके घर के पास छोड़ दिया व घटना के बारे में किसी को बताने पर अंजाम भुगतने की धमकी देकर भाग गए।

दुष्कर्म की घटना के बाद नाबलिक रात को ही मदद के लिए अपने प्रेमी अमित सैनी के घर शांतरहशाह पहुंची। उस समय अमित के पिता मदन पाल सैनी, माता शशि देवी एवं बहन रूबी सैनी घर पर मौजूद थे। अमित नाबालिका को चुपचाप अपने कमरे में ले गया और उससे संबंध बनाए। इस दौरान जब नाबालिका ने स्वयं के साथ हुए दुष्कर्म की बात अमित सैनी को बताई तो अमित सैनी आगबबूला होकर मृतका पर ही भड़क गया और उसके साथ मारपीट करने लगा। शोर शराबा सुनकर अमित सैनी के परिजनों द्वारा लड़की के नाबालिक होने व सभी के फंसने के डर से लड़की के साथ मारपीट

कर उसे घर से बाहर निकालने लगे। मारपीट के दौरान मृतका का सर घर के लोहे के गेट पर लगा जिससे वह घायल हो गई। जिस पर अमित सैनी घबरा गया और लड़की को रास्ते से हटाने का प्लान बना कर मृतका का पीछा कर उसको रास्ते में पकड़कर उसकी हत्या करने के उद्देश्य से दिल्ली हरिद्वार हाईवे पर पतंजलि रिसर्च इंस्टिट्यूट के सामने लाया और अंधेरे का फायदा उठाते हुए उसे जान से मारने की नीयत से रुड़की से हरिद्वार की ओर जाने वाले किसी अज्ञात वाहन के सामने धक्का देकर अंधेरे में खड़ा रहा ओर उसके मरने की पुष्टि होने पर वहां से भाग गया। इसके बाद उसने पूरी घटना की जानकारी अपने चचेरे भाई प्रधान पति आदित्यराज सैनी को दी। अगले दिन जब मृतका की मां आदित्यराज सैनी के पास पहुंची तो आदित्य राज सैनी ने जानकारी को छुपाते हुए मृतका की मां को गुमराह करते हुए पुलिस के पास न जाने व अपने स्तर से उसकी तलाश करने की बात कहकर भेज दिया और पूरे घटना क्रम पर नजर बनाए रखी।

पुलिस द्वारा जब मृतका के फोटो सर्कुलेट किए गए तो आदित्यराज सैनी ने सब कुछ जानते हुए भी पुलिस को कोई सूचना नहीं दी। जांच पंड़ताल में सामने आए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने घटना के मुख्य आरोपी ग्राम शांतरशाह निवासी अमित सैनी पुत्र मदन पाल सैनी व उसकी मां शशि देवी को गिरफ्तार कर लिया। अमित सैनी की निशांदेही पर मृतका के खून आलूदा कपड़े तथा घटना से संबंधित चादर व शशि देवी से मृतका का मोबाइल फोन बरामद किया गया। मृतका के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने वाले आरोपी नितिन पुत्र बीरपाल व निखिल पांचाल पुत्र सतीश कुमार निवासी ग्राम शांतर शाह, तुषार उर्फ भोला पुत्र अनुज निवासी ग्राम रोहलकी व मौसम पुत्र स्व.प्रेम निवासी टांडा बिहारीगढ़ सहारनपुर हाल किरायेदार संजू चौहान रोहालकी को घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल सहित गिरफ्तर किया गया। प्रधानपति आदित्यराज सैनी, मुख्य आरोपी अमित सैनी के पिता मदनपाल सैनी व बहन रूबी सैनी की तलाश की जा रही है।

# जलस्त्रोतों के पुनर्जीवीकरण कार्य के लिए विभागों को अनुमति प्रदान करने का किया अनुरोध

**देहरादून ( संवाददाता )।** भारत सरकार के कैबिनेट सेक्रेटरी की जल शक्ति अभियान-कैच द रैन से सम्बन्धित विडियो कान्फ्रेसिंग में उत्तराखण्ड की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने उत्तराखण्ड में वन क्षेत्रों में स्थित जलस्त्रोतों के पुनर्जीवीकरण हेतु कार्य करने के लिए सरकारी विभागों को अनुमति प्रदान करने का अनुरोध किया है। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने जानकारी दी कि उत्तराखण्ड में राज्य स्तरीय स्प्रिंग एण्ड रिवर रिजुविनेशन प्राधिकरण के माध्यम से जल संरक्षण एवं जलस्त्रोतों के पुनर्जीवीकरण के लिए सराहनीय कार्य किया जा रहा है। जल संरक्षण अभियान 2024 के तहत कैच द रेन, जल संरक्षण अभियान, अमृत सरोवर, हरेला कार्यक्रम के माध्यम से राज्य में जल संरक्षण, सम्भरण एवं जल सम्वर्द्धन हेतु कार्य किए जा रहे हैं। क्रिटिकल सूख रहे जल स्त्रोतों, सहायक नदियों व धाराओं का चिन्हीकरण किया गया है। इनके संग्रहण क्षेत्रों की पहचान की गई है। ग्राम स्तर पर जल स्त्रोतों को चिन्हित कर उनके उपचार क्षेत्र में जल संभरण गतिविधियों के निर्देश दिए गए हैं। विकासखण्ड स्तर पर न्यूनतम 10 क्रिटिकल सूख रहे जल स्त्रोतों तथा जनपद स्तर पर न्यूनतम 20 सहायक नदियों, धाराओं के उपचार को जल संरक्षण अभियान 2024 के तहत प्रस्तावित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में जानकारी दी गई कि पेयजल निगम द्वारा 78 क्रिटिकल जलस्त्रोत चिन्हित किए गए हैं। जन संस्थान द्वारा 415 क्रिटिकल जल स्त्रोत चिन्हित किए गए हैं। विभिन्न जनपदों में कुल 250 सहायक नदियांध्धाराएं उपचार हेतु चिन्हित की गई हैं। जल संरक्षण अभियान 2024 के तहत ग्राम स्तर पर 4658 जल स्त्रोतों के उपचार क्षेत्र में जल संभरण गतिविधियों, विकासखण्ड स्तर पर 770 क्रिटिकल सूख रहे जल स्त्रोतों के उपचार गतिविधियों तथा जनपद स्तर पर 228 सहायक नदियों, धाराओं में उपचार गतिविधियों के संचालन का लक्ष्य है। इस प्रकार उपचार हेतु कुल चिन्हित जल स्त्रोतों की संख्या 5428 है। बैठक में जानकारी दी गई कि जल संरक्षण अभियान की गतिविधियों के मूल्यांकन एवं अनुश्रवण हेतु जल संरक्षण एप एवं डैशबोर्ड भी बनाया गया है। जिससे समस्त चिन्हित जल स्त्रोतों एवं उपचार गतिविधियों को जियो टैग किया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में भू-जल रिचार्ज एवं जल संरक्षण गतिविधियों के तहत विभिन्न राजकीय कार्यालयों, संस्थानों, विद्यालयों के परिसर एवं होटल व धर्मशालाओं में भू-जल रिचार्ज करने हेतु रिचार्ज शॉफट निर्मित किये जाने प्रस्तावित हैं। देहरादून शहर में 260 रिचार्ज शॉफ्टध्बोरवेल सरकारी संस्थानों एवं विद्यालयों की परिसर में 15 जुलाई 2024 तक निर्मित किये जाने प्रस्तावित हैं द्य इसके के अतिरिक्त 30 बड़ी आवासीय कालोनी में रिचार्ज शॉफ्ट बोरवेल बनाये जाने प्रस्तावित हैं। हरिद्वार शहर में 110 रिचार्ज शॉफ्ट, बोरवेल सरकारी संस्थानों एवं विद्यालयों की परिसर में 15 जुलाई 2024 तक निर्मित किये जाने प्रस्तावित है। हल्द्वानी शहर में 80 रिचार्ज शॉफ्ट बोरवेल सरकारी संस्थानों एवं विद्यालयों की परिसर में 15 जुलाई 2024 तक निर्मित किये जाने प्रस्तावित हैं। ब्मदजतंस ळतवनदकॅजमत ठवंतक, क्मीतंकनद द्वारा उक्त तीनों शहरों के भू-जल को रिचार्ज करने हेतु तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाएगा। बैठक में अपर मुख्य सचिव आनंद वर्धन, सचिव डा0 आर राजेश कुमार एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

# वज्र के समान होता है तीर्थ पर किया गया पाप कर्म-पंडित पवन कृष्ण शास्त्री

हरिद्वार, संवाददाता। श्री राधा रसिक बिहारी भागवत परिवार के तत्वाधान में माता का डेरा ज्वालापुर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन भागवताचार्य पंडित पवन कृष्ण शास्त्री ने तीर्थ की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि अनजाने में किए गए पाप कर्म तीर्थ में जाने से नष्ट हो जाते हैं एवं पुण्य उदित हो जाते हैं। उन पुण्यों के प्रभाव से घर में सुख समृद्धि धन-धान्य, आयु आरोग्य की वृद्धि होती है। परंतु यदि कोई मनुष्य तीर्थ में जाकर के या जो लोग तीर्थ में रह रहे हैं, वहां रहते हुए पाप कर्म करते हैं। उनके पाप कभी न मिटने वाले वज्र के सम्मान हो जाते हैं। उन्हें अनेकों वर्षों तक नरक यातना भोगनी पड़ती है। इसके प्रभाव से घर में दुख, दरिद्र, कष्ट, संकट बढ़ते हैं।

शास्त्री ने बताया कि तीर्थ की मर्यादा का पालन करते हुए सर्वप्रथम यज्ञ करना चाहिए। यज्ञ के उपरांत कन्याओं का पूजन एवं ब्राह्मणों का पूजन कर उन्हें भोजन कराकर दान एवं दक्षिणा देनी चाहिए। इसके बाद तीर्थ यात्रा का फल मनुष्य को प्राप्त होता है। कथा के दौराना कथाव्यास ने श्रद्धालुओं को तीर्थ की मर्यादा का पालन करने का संकल्प भी दिलाया। इस अवसर पर मुख्य यजमान कमलेश मदान, राकेश नागपाल, मुकेश चावला, अमित गेरा, संजय सचदेवा, दीपक बजाज, नीरू, रीना, भावना, लक्की, कविता, मंजू, कमल, कनिका, सुषमा, कविता, रेणु आशा, जिज्ञांशा, ऋषभ, आयुषा, ललिता गेरा, बाला शर्मा, दर्शना छाबरा, आचार्य महेशचंद्र जोशी, पंडित रामचंद्र तिवारी आदि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

# मंगलम ग्लोबल एंटरप्राइजेज करेगी खाद्य तेल रिफाइनरी और पैकेजिंग यूनिट का अधिग्रहण

**देहरादून ( संवाददाता )।** अरंडी, सरसों, सोयाबीन तेल और उनके डेरिवेटिव्स की एक प्रमुख प्रोसेसर कंपनी मंगलम ग्लोबल एंटरप्राइज लिमिटेड ने 18 जून, 2024 को श्री गुरुकृपा ऑयल एंड फूड्स से जोतना, मेहसाणा, गुजरात में 19833 वर्ग गज की जमीन, प्लांट बिल्डिंग और मशीनरी खरीदने के लिए समझोता किया है। खरीदी गई परिसंपत्तियों अर्थात भूमि, संयंत्र एवं मशीनरी तथा भवन की खरीद, जिसकी स्थापित क्षमता 10.87 करोड़ रुपये है - खाद्य तेल रिफाइनरी एवं पैकिंग यूनिट, जिसकी क्षमता लगभग 1500 वर्ग फीट, 200 मीट्रिक टन प्रतिदिन, तथा 20 मीट्रिक टन प्रतिदिन की क्षमता वाला आयल सीड क्रशिंग प्लांट है। मेहसाणा प्लांट का अधिग्रहण आय बढ़ाने वाला है, क्योंकि इससे कारोबार बढ़ेगा और मार्जिन में सुधार करने में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को अपनी बैठक में आगामी खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी। साल-दर-साल आधार पर औसत वृद्धि लगभग 5-6 प्रतिशत है जो मोटे तौर पर सामान्य प्रवृत्ति है। दलहन और तिलहन के लिए यह अधिक है क्योंकि सरकार घरेलू स्तर पर उनके उत्पादन को बढ़ने और आयात को कम करने पर जोर दे रही है। एग्रो कंपनी को लाभ मिलने की उम्मीद है।

# मंदिर समितिकर्मी छपेल सिंह बिष्ट की सेवानिवृत्ति पर बदरीनाथ धाम में विदाई सम्मान समारोह आयोजित

**बदरीनाथ ( संवाददाता )।** बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के कार्यालय सहायक छपेल सिंह बिष्ट (छपेल दा) साठ वर्ष की अधिवर्षता आयु पूरी करने के बाद आज सेवानिवृत्त हो गये। इस अवसर? पर? बदरीनाथ धाम में मंदिर कर्मचारियों अधिकारियों? ने उनका फूलमालाओं से स्वागत कर विदाई दी तथा दीर्घायु जीवन की कामना की, उन्हें भगवान बदरीविशाल का स्मृति चिह्न भेंट किया उनके पारिवारिक जनों को भी सम्मानित किया गया। विनम्र स्वभाव के छपेल दा कर्मचारियों के बीच चर्चित तथा लोकप्रिय रहे। हमेशा बदरीनाथ धाम में रह कर भगवान बदरीविशाल की सेवा में मनोयोग से संलग्न रहे।

छपेल दा केवल साक्षर थे लेकिन पैड़ पौधे लगाने, बागवानी, तथा पाक कला में महारत रही। उनके द्वारा विशेष प्रकार का हलवा प्रसाद बनाया जाता था जिसको मंदिर समिति के पुराने अधिकारी कर्मचारी वखूबी जानते है कई तीर्थयात्री उनसे हलवा प्रसाद बनाने हेतु भी कहते थे।छपेल दा उम्र में अब बुजुर्ग हो गये है लेकिन वह बेहद विनम्र है। वह अपने से छोटों के पांव छूकर अभिवादन करते दिख सकते है।

मंदिर समिति प्रभारी अधिकारी बदरीनाथ धाम मुख्य प्रशासनिक अधिकारी गिरीश? चैहान ने बदरीनाथ धाम से बताया कि छपेल दा ऐसे कर्मचारी थे उन्हें जो भी कार्य दिया गया उन्होंने पूरे मनोयोग से किया उनकी सेवा निवृत्ति पर सभी कर्मचारी उनको शुभकामनाएं दे रहे है। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि छपेल दा बदरीनाथ मंदिर में तुलसी माला स्टोर के भी प्रभारी रहे। वह मंदिर के निकट ही एक कमरें में भगवान बदरीविशाल को चढायी गयी तुलसी मालाओं को संभाल?कर रखते थे तथा बाद में उस तुलसी माला को? प्रसाद स्वरूप तीर्थयात्रियों को भेजा जाता था। इसी तरह छपेल दा आजकल भगवान बदरीविशाल मंदिर परिसर में सफाई हेतु सेवा देते रहे। रविवार? को श्री बदरीनाथ धाम में प्रभारी अधिकारी सहायक अभियंता विपिन तिवारी की अध्यक्षता में छपेल दा का विदाई स्वागत समारोह संपन्न हुआ जिसमें छपेल सिंह छपेल दा को फूल मालाओं से स्वागतकर कर विदाई दी गयी। स्वागत समारोह में वक्ताओं ने छपेल दा को एक कुशल कार्मिक बताया। उनके दीर्घ जीवन की कामना की।

इस अवसर पर रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी, नायब रावल अंबरनाथ नंबूदरी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रभारी अधिकारी गिरीश चैहान, धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, प्रशासनिक अधिकारी कुलदीप भट्ट,? प्रशासनिक अधिकारी विवेक थपलियाल, राजेंद्र सेमवाल,संतोष तिवारी, संदेश? मेहता केदार सिंह रावत,संजय तिवारी, अजय सती,अनसुया नौटियाल योगंबर सिंह, अजीत भंडारी, कुलानंद पंत, सत्येंद्र चैहान, मनमोहन नेगी, रत्नेश? पंवार, संजय भंडारी,,हरेंद्र कोठारी, देवेंद्र? पंवार दिनेश भट्ट,विकास सनवाल, हरीश? जोशी मनोज सिंह, अंबरीश आदि मौजूद रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंदिर समिति के श्री नृसिंह मंदिर कार्यालय में सहायक सागर जोशी भी आज सेवानिवृत्त हो गये जोशीमठ कार्यालय में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी विजेंद्र बिष्ट तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी दीपक नौटियाल, नृसिंह मंदिर प्रभारी संदीप कपरवाण, पुजारी हनुमान प्रसाद डिमरी, प्रबंधक भूपेंद्र राणा, रामप्रसाद थपलियाल केशव, आदि ने सागर जोशी को सेवानिवृत्ति पर विदाई दी।

मंदिर समिति के बदरीनाथ-केदारनाथ अधिष्ठान से जुड़े सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के दीर्घायु जीवन की कामना की है।

# विधायक रवि बहादुर व पूर्व सीएम हरीश रावत के पुत्र वीरेंद्र रावत ने पीड़ित परिवार से मिलकर ढाढस बंधाया

हरिद्वार,संवाददाता। ज्वालापुर विधायक रवि बहादुर व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के पुत्र वीरेंद्र रावत ने दुष्कर्म व हत्या का शिकार हुई किशोरी के पीड़ित परिजनों से मिलकर ढाढस बंधाया और पीड़ित परिवार को मुआवजा तथा आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। ज्वालापुर विधायक रवि बहादुर ने कहा कि घटना बेहद निंदनीय है। पुलिस प्रशासन सभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाए। साथ ही फरार आरोपियों को जल्द से जल्द से गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। उन्होंने कहा कि सरकार पीड़ित परिजनों को मुआवजा दिया जाए।

वीरेंद्र रावत ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली सरकार को इस विषय को लेकर गंभीरता से सोचना चाहिए। ऐसी घटनाएं समाज में भय का वातावरण पैदा करती हैं। घटना में संल्पित जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। जिससे इस तरह की घटनाओं की पुनर्रावृत्ति ना हो सके। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने के लिए जल्द ही मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता डा.संजय पालीवाल, अनिल भास्कर, श्रमिक नेता राजबीर सिंह चौहान, तीर्थपाल रवि, सीपी सिंह, मनीष कर्णवाल आदि कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# भगवान की 'जय' में ही छुपी होती है भक्त की 'विजय': भारती

**देहरादून ( संवाददाता )।** भक्तों द्वारा सदा भगवान की जय-जयकार की जाती है। ईश्वर की इस जय को करने का आखिर अभिप्राय क्या है? मनुष्य यदि देखे तो ईश्वर तो जय-पराजय से परे एक अविनाशी शक्ति हैं, फिर इंसान हर जगह उनकी जय क्यों किया करता है? वास्तव में मनुष्य अनेक संघर्षों, अनेक विपदाओं तथा अनेकानेक दुखों में आंतरिक तथा बाहरी स्तर पर एक ऐसा युद्ध लड़ने पर विवश है जो युद्ध अपने ही विरूद्ध है। ऐसे में वह उस परमात्म शक्ति का सहारा लेकर उसके जयघोष लगाता है जिससे कि उसके भीतर का आत्मबल विकसित होकर उसकी जय का ही आधार बन जाता है। परमात्मा की जय में ही मनुष्य की विजय सुनिश्चित हुआ करती है। इसके विपरीत जब भी किसी ने अपनी जय करवानी चाही चाहे वो रावण हो, चाहे वो कंस हो या फिर हिरण्यकश्यप ही हो, ऐसा करने पर यह सब कथित महाबली पतन को प्राप्त हो गए। दूसरी ओर लंका विजय के समय वानर सेना ने जब जय श्री राम का उद्घोष कर सेतुबंध पर कार्य किया तो पत्थर भी राम नाम की जय से पानी पर तैरने लगे और विशाल सेतु का निर्माण होता चला गया। मन मनुष्य का ऐसा अदृश्य शत्रु है, जो कि अत्यन्त सूक्ष्म है, यह स्वछन्द रूप से ही विचरण करना चाहता है। इस मन को कोई भी बंधन पसंद नहीं, इसकी दिशा निम्न है। जैसे पानी का बहाव सदा नीचे की ओर रहता है और यदि इसे ऊपर की दिशा में परिवर्तित करना हो तो इसके लिए कड़े संघर्ष की आवश्यकता हुआ करती है। मन की चंचलता पर ही भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को इसे वश में करने का कारगर उपाय बताते हुए कहा है कि निरन्तर अभ्यास और वैराग्य द्वारा ही इसे साधा जा सकता है। फिर यह ईश्वर में ही रम जाता है और कहीं भी भटकने नहीं पाता है। पूर्ण गुरू द्वारा प्रदत्त पावन 'ब्रह्मज्ञान' वह दिव्य सनातन तकनीक है जिससे मन की समस्त चंचलता पर अंकुश लगाया जा सकता है। जिसके जीवन में पूर्ण सदुरू द्वारा प्रदत्त ब्रह्मज्ञान आ गया फिर उसकी भक्ति अपने चर्मोत्कर्ष को प्राप्त कर जीवन के परम लक्ष्य को हासिल कर लेती है। यह आवश्यक है कि गुरू की आज्ञा में चलना ही इसमें मुख्य भूमिका निभाती है। वास्तव में भगवान की जय में ही छुपी हुई होती है भक्त की विजय।

उपरोक्त सद्विचारों को आज साप्ताहिक रविवारीय सत्संग-प्रवचनों के मध्य 'सदुरू आशुतोष महाराज' की शिष्या तथा देहरादून आश्रम की प्रचारिका 'साध्वी विदुषी भक्तिप्रभा भारती जी' के द्वारा उपस्थित संगत को प्रदान किए गए।

अनेक मनभावन भजनों की प्रस्तुति के बीच मंच संचालन का कार्य 'साध्वी विदुषी सुभाषा भारती' के द्वारा किया गया। साध्वी ने बताया कि गुरू साहिबानों का दिव्य कथन है- 'भई प्रापत मानुख देहुरिया, गोबिन्द मिलन की ऐहु तेरी बरिया, अवर काज तेरे किते न काम, मिल साध संगत भज केवल नाम।' एक होता है ईश्वर को देख लेना और एक होता है उसी में मिल जाना, इकमिक हो जाना। साधु की संगत के उपरान्त ही गोबिन्द (परमात्मा) के साथ मेल होना सम्भव हो पाता है। साधु भी कोई साधारण नहीं बल्कि शास्त्र-सम्मत वह परम गुरू होने चाहिए जो कि मनुष्य के भीतर ही परमात्मा को दिखा भी दें और दर्शन के उपरान्त उनकी प्राप्ति करवा देने की अद्वितीय क्षमता भी वे रखते हों। पूर्ण गुरू का पावन 'ब्रह्मज्ञान' वह सनातन-शाश्वत तकनीक है जिससे यह 'दिव्य मिलन' सम्भव हो पाता है।

# चोराबाड़ी क्षेत्र में टूटा ग्लेशियर, कोई हताहत नहीं

**रूद्रप्रयाग( संवाददाता )।** रविवार तड़के चोराबाड़ी से ऊपर हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं में ग्लेशियर टूटने की घटना सामने आई है। इस दौरान बर्फ का गुबार उठा और कुछ देर बाद गहरी खाई में समा गया। मंदिर क्षेत्र में मौजूद कई यात्रियों ने इस प्राकृतिक दृश्य को अपने मोबाइल के कैमरे में कैद किया। इस घटना के किसी के हताहत होने की कोई खबर नही है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि गांधी सरोवर के ऊपर सुबह करीब पांच बजे एवलांच आया। हालांकि किसी जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। बता दें कि यहां बीती आठ जून को भी ग्लेशियर टूटने की घटना हुई थी। बीते वर्ष मई व जून में भी चोराबाड़ी से लगे कंपेनियन ग्लेशियर क्षेत्र में पांच बार हिमस्खलन हुआ था। इससे पूर्व वर्ष 2022 में भी सितंबर व अक्तूबर में क्षेत्र में हिमस्खलन हुआ था।

# ऋषिकुल ग्राउंड से विकसित भारत के लिए सीए रन का आयोजन

**हरिद्वार ( संवाददाता )।** आईसीएआई की हरिद्वार शाखा के अध्यक्ष सीए गिरीश मोहन ने बताया कि विकसित भारत के लिए सीए रन की थीम के तहत 5 क्षेत्रीय परिषदें और 176 शाखाएं में एक एकीकृत राष्ट्रीय दौड़ आयोजित की गई। इस दौड़ में भाग लेकर सदस्यों ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, भारत को विकसित देश बनाने की दिशा में अपनी इच्छा को प्रदर्शित किया। इस अवसर पर सीए प्रबोध जैन, भगत सिंह, हरि रतूड़ी, योगेश दीवान, आशुतोष पांडे, अनिल वर्मा, अर्पित वर्मा, अंकित वर्मा, विकास बंसल, सुमित शर्मा, अमन भारद्वाज, वासु अग्रवाल, सुधांशु शर्मा, अनिल जैन, हरिंदर गर्ग, नयना मोहन, श्रुति शर्मा, आदित्य मोहन, अदिति सिंघल, नीरजा मोहन, कुसुमलता आदि मौजूद रहे।

# सीएम धामी ने बौद्ध, मठ क्लेमनटाउन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात का 111 वां संस्करण सुना

**देहरादून ( संवाददाता )।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को बौद्ध, मठ क्लेमनटाउन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात का 111 वां संस्करण सुना। मन की बात कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने की बात कही। विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की शुरूआत की गई। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से आह्वाहन किया कि इस मानसून सीजन में अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण के संरक्षण और संवर्द्धन में अपना योगदान अवश्य दें। वृक्षारोपण के साथ जल संचय की दिशा में भी योगदान देने के लिए उन्होंने प्रदेश की जनता से आह्वाहन किया है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में तिब्बती समुदाय के लोगों से भी अनुरोध किया कि वृक्षारोपण और जल संचय के अभियान में वे भी सक्रिय भागीदार बनकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि जल स्रोतों के पुनर्जीवीकरण की दिशा में सबको सामूहिक प्रयास करने होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने का कार्य किया। 10वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस पर अनेक देशों में योग के बड़े कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। दुनिया में योग करने वालों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की भूमि योग और आयुर्वेद की भूमि है। स्वस्थ जीवन के लिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कर्मयोगी के रूप में भारत को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। भारत की सोच हमेशा से विश्व बंधुत्व की रही है। इस अवसर पर विधायक विनोद चमोली, भाजपा के महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

# युवक की हत्या कर उसी के वाहन में शव को लटकाया

**बागेश्वर, ( संवाददाता )।** तहसील क्षेत्र के भैरूचैबट्टा में एक युवक की हत्या कर शव को उसी के वाहन से लटकाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश आया है। मरने से पहले मृतक ने वीडियो बनाकर घटना के लिए गांव के ही दो लोगों को जिम्मेदार ठहराया दिया। मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस घटना के बाद से मृतक के गांव वालों ने आरोपियों को पकड़ने की मांग को लेकर हंगामा किया। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार बीते शनिवार रात भैरूचैबट्टा में मैक्स वाहन संख्या यूके 02 टीए 1524 में भैरूचैबट्टा निवासी मनोज कुमार (32) पुत्र केशर राम का शव रस्सी के सहारे लटका मिला था। भैरूचैबट्टा के ग्राम प्रधान नवीन चंद्र और गांव के अन्य लोग मौके पर पहुंचे। मृतक के पैर जमीन से टिके हुए थे। घटना की जानकारी राजस्व उप निरीक्षक जगदीश सिंह परिहार को दी गई। राजस्व उप निरीक्षक ने शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरा। शव पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भिजवाया। रविवार को जिला मुख्यालय में मृतक के शव का पोस्टमार्टम किया गया। मृतक ने मौत से पहले वीडियो बनाया है।

# मां कामाख्या देवी की महिमा अपरंपार है-श्रीमहंत रविंद्रपुरी

हरिद्वार, संवाददाता। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज, आनंद अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरी, आह्वान अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अरूण गिरी ने असम के गुहावटी स्थित मां कामख्या देवी मंदिर के कपाट खुलने पर मां के दर्शन पूजन और कुंवारी पूजन कर विश्व कल्याण की कामना की। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि 51 शक्ति पीठों में मां कामाख्या देवी पीठ की महिमा अपरंपार है।

मां कामाख्या देवी भक्तों पर सदैव कृपा करती हैं। मां कामाख्या देवी की कृपा से विश्व का कल्याण होगा। विश्व में आर्थिक प्रगति के नए स्रोत बनेंगे। जिससे सभी का जीवन मंगलमय होगा। उन्होंने कहा कि पूर्ण विधि विधान और श्रद्धाभाव से आराधना करने पर मां कामाख्या देवी प्रसन्न होकर साधक की सभी मनोकानमाएं पूर्ण करती हैं। मां कामाख्या देवी मंदिर तंत्र साधना का भी प्रमुख केंद्र हैं। प्रतिवर्ष मंदिर में मेले का आयोजन किया जाता है। जिसमें देशभर से लाखों श्रद्धालु मां कामाख्या के दर्शन पूजन के लिए आते हैं। मां भगवती की कृपा से श्रद्धालु भक्तों के सभी कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरी महाराज एवं आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अरूण गिरी महाराज ने कहा कि शक्ति स्वरूपा मां कामाख्या देवी भक्तों को सुख समृद्धि और वैभव प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि संत महापुरूषों द्वारा किए गए अनुष्ठान के फलस्वरूप भारत समृद्ध राष्ट्र बनेगा और विश्व गुरू के रूप में दुनिया का नेतृत्व करेगा। अनुष्ठान में स्वामी आदियोगी सहित कई संत महापुरूष शामिल हुए विश्व कल्याण की कामना की।

# प्रधानमंत्री के विचार प्रत्येक देशवासी को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने का करते हैं कार्य : रेखा आर्या

**देहरादून ( संवाददाता )।** आज उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के पहले और 111 वें"मन की बात कार्यक्रम को जीएमएस मंडल के बूथ संख्या-122 और वार्ड-33 में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सुना।कार्यक्रम से पूर्व पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा कैबिनेट मंत्री का स्वागत किया गया।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा हैंग विकसित भारत के निर्माण के संकल्प की सिद्धि ही हमारा प्रण हैं।आज प्रधानमंत्री मोदी जी के ओजस्वी विचार देश के कोने- कोने में प्रत्येक देशवासी को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने का कार्य कर रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि "मन की बात" कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी ने सभी देशवासियों से यह अपील की है कि अपनी माँ के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ जरूर लगाएं और पृथ्वी को हरा-भरा रखने में अपना सहयोग करें।कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में विभिन्न अनछुए विषयो पर लोगो को प्रेरित करने का काम किया जाता है।मन की बात में जहां प्रधानमंत्री जी ने योग को सिर्फ एक दिन के रूप में ना मनाते हुए बल्कि इसे अपनी दिनचर्या में हर दिन करने की बात कही गई तो वहीं उन्होंने लोकल प्रोडक्ट को ग्लोबल बनाने की बात भी कही है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हम सबको प्रधानमंत्री मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम से प्रेरणा प्राप्त होती है।उन्होंने सभी से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ने की बात कही। इस अवसर पर कैंट विधायक सविता कपूर,मंडल अध्यक्ष सुमित पांडे,,निवर्तमान पार्षद एवं कार्यक्रम संयोजक संजय सिंघल,युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष देवेंद्र बिष्ट,प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सचिन गुप्ता,मंडल महामंत्री शेखर नौटियाल,शक्ति केंद्र संयोजक पंकज प्रजापति,बूथ अध्यक्ष सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज मायापुर में किया अंग्रेजी कम्यूनिकेशन वर्कशॉप का आयोजन

हरिद्वार, संवाददाता। सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज मायापुर में दो दिवसीय संकुल स्तरीय अंग्रेजी कम्युनिकेशन वर्कशॉप का शुभारंभ किया गया। वर्कशॉप का शुभारंभ मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षा समिति के मंत्री डा.रजनीकांत शुक्ल, संकुल प्रमुख और सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज भेल के प्रधानाचार्य लोकेन्द्र अंथवाल, विद्यालय के प्रबंधक जगपाल, सरस्वती विद्या मंदिर रुड़की के प्रधानाचार्य राजेश चौहान और विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य अजय सिंह ने देवी सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज के प्रधानाचार्य अजय सिंह ने सभी अतिथियों का परिचय कराया और दो दिवसीय वर्कशॉप की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्य अतिथि डा.रजनीकांत शुक्ल ने वर्कशॉप को संबोधित को करते हुए बताया कि पूरे देश मे लगभग 25000 विद्यालय विद्या भारती द्वारा संचालित है और विद्या भारती देश की ही नही अपितु पूरे विश्व की सबसे बड़ी शैक्षिक संस्था है। उन्होंने कहा कि दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। इसलिए हमें भी स्वयं को बदलना पड़ेगा। अपने विषय मे प्रतिदिन हो रहे बदलावों को पढ़ना और समझना पड़ेगा। इसके बाद ही कक्षा में बालक को नई तकनीक से पढ़ाकर समाज की मुख्य धारा से जोड़ सकेंगें। विद्यालयो में अब गणित और विज्ञान को भी अंग्रेजी में पढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमे अपने विद्यालयों में अंग्रेजी का माहौल बनाना पड़ेगा और यह कार्य अंग्रेजी के आचार्य ही कर सकते है।

# गुरू ही परमात्मा का दूसरा स्वरूप हैं और गुरू से बढ़कर कुछ नहीं-श्रीमहंत प्रेमगिरी

हरिद्वार, संवाददाता। जूना अखाड़े के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत प्रेमगिरी महाराज के गुरू ब्रह्मलीन श्रीमहंत कैलाश गिरी महाराज की पुण्य तिथी पर श्यामपुर कांगड़ी स्थित प्रेमगिरी धाम में संत समागम का आयोजन किया गया। संत समागम में सभी तेरह अखाड़ों के संत महापुरूषों ने ब्रह्मलीन श्रीमहंत कैलाश गिरी महाराज का भावपूर्ण स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रीमहंत प्रेमगिरी महाराज ने कहा कि गुरू ही परमात्मा का दूसरा स्वरूप हैं और गुरू से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि पूज्य गुरूदेव ब्रह्मलीन श्रीमहंत कैलाश गिरी महाराज त्याग, तपस्या और सेवा की प्रतिमूर्ति थे। गुरू के दिखाए मार्ग पर चलते हुए उनके अधूरे कार्यो को आगे बढ़ाना ही उनके जीवन का उद्देश्य है। श्रीमहंत शैलेन्द्र गिरी महाराज ने कहा कि गुरू के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखने वाले शिष्य पर ईश्वरीय कृपा सदैव बनी रहती है। श्रीमहंत प्रेमगिरी महाराज जिस प्रकार अपने गुरू के अधूरे कार्यो को आगे बढ़ा रहे हैं। उससे सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। महामंडलेश्वर गर्व गिरी महाराज एवं श्रीमहंत महेश पुरी महाराज ने कहा कि ब्रह्मलीन श्रीमहंत कैलाश गिरी महाराज संत समाज की दिव्य विभूति और धर्म शास्त्रों के विद्वान संत थे। ऐसे दिव्य संत का सानिध्य सौभाग्य से प्राप्त होता है। श्रीमहंत प्रेमगिरी भाग्यशाली हैं कि उन्हें गुरू के रूप में श्रीमहंत कैलाश गिरी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।
**सम्पादकः अवनीश कुमार, मो0 9410553400**
ई-मेलः liveskgnews@gmail.com
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)
सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।